प्रमुख सचिव, सिंचाई और जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश से मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), बीएसयूएल द्वारा बैठक के सम्बन्ध में

श्री मनीष सहाय, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बीएसयूएल द्वारा दिनांक 03.03.2021 को श्री अनिल गर्ग (आईएएस), प्रमुख सचिव, सिंचाई और जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश से मुलाकात कर बैठक की गई। इस बैठक में सिंचाई और जल संसाधन विभाग के बांधों और अन्य जल निकायों पर तैरते सौर संयंत्रों को लगाने की संभावना पर चर्चा की गयी।

श्री अनिल गर्ग (आईएएस), प्रमुख सचिव, सिंचाई और जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश को पुष्प गुच्छ भेंट करते श्री मनीष सहाय, सीईओ, बीएसयूएल

बैठक की शुरुआत में प्रमुख सचिव में बताया कि उत्तर प्रदेश सिंचाई और जल संसाधन विभाग के बांधों और अन्य जल निकायों के रूप में तैरते सौर संयंत्रों लगाने के लिए पर्याप्त क्षेत्रफल उपलब्ध है तथा विभाग इसका उपयोग सौर ऊर्जा उत्पन्न हेतु करना चाहता है। प्रमुख सचिव ने बताया कि वर्तमान समय में नलकूपों और प्रतिष्ठानों के लिए ऊर्जा यूपीपीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जाती है और इससे विभाग पर आर्थिक भार भी पड़ता है। भविष्य में सौर संयंत्रों से उत्पन्न सौर ऊर्जा का उपयोग सिंचाई और जल संसाधन विभाग अपनी आवश्यकता हेतु कर सकेगा जिससे विभाग पर आर्थिक भार भी कम होगा।

प्रमुख सचिव ने सीईओ, बीएसयूएल से बांधों और अन्य जल निकायों का सर्वेक्षण कराकर तकनीकी और आर्थिक फिजिबिलिटी रिपोर्ट सिंचाई और जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश को प्रस्तुत करने को कहा

तथा फिजिबिलिटी रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद तैरते सौर संयंत्रों लगाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिया।

सीईओ, बीएसयूएल द्वारा बैठक में सौर संयंत्रों के पीपीए के सम्बन्ध में चिन्ता व्यक्त की गयी। प्रमुख सचिव ने पीपीए की समस्या को ध्यान रखते हुए अगली बैठक में अध्यक्ष, यूपीपीसीएल को भी आमन्त्रित करने का आश्वाशन दिया।

<u>प्रमुख सचिव, सिंचाई और जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश के साथ परिचर्चा</u>

उक्त बैठक में बीएसयूएल के श्री ब्रिजेश शर्मा, वरिष्ठ प्रबन्धक (विद्युत) एवं एनएचपीसी के श्री सुधीर मणि त्रिपाठी, उप प्रबन्धक (तकनीकी) भी मौजूद थे।